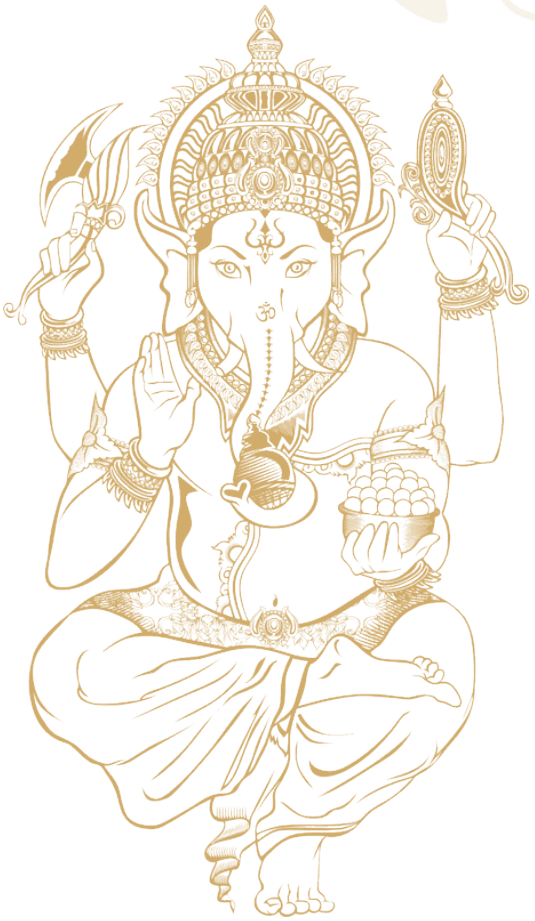

Mr.

Ms.

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121722702

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
6-07/06/1991	जन्म तिथि	06/06/1995
गुरु-शुक्रवार	दिन	मंगलवार
घंटे 03:07:00	जन्म समय	11:55:00 घंटे
घटी 54:24:55	जन्म समय(घटी)	16:24:56 घटी
India	देश	India
Rajpura	स्थान	Chandigarh
30:29:00 उत्तर	अक्षांश	30:43:00 उत्तर
76:40:00 पूर्व	रेखांश	76:47:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:23:20	स्थानिक संस्कार	-00:22:52 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:21:01	सूर्योदय	05:20:00
19:23:25	सूर्यास्त	19:23:02
23:44:30	चित्रपक्षीय अयनांश	23:47:45

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
शनि 13वर्ष 10मा 22दि	12:28:34	मेष	लग्न	सिंह	16:31:57	शुक्र 11वर्ष 0मा 14दि
केतु	21:56:08	वृष	सूर्य	वृष	21:18:44	मंगल
29/04/2022	06:54:54	मीन	चंद्र	सिंह	19:18:27	20/06/2022
29/04/2029	12:57:24	कर्क	मंगल	सिंह	11:39:55	20/06/2029
केतु 26/09/2022	09:48:45	वृष	बुध व	वृष	19:44:50	मंगल 16/11/2022
शुक्र 26/11/2023	16:12:48	कर्क	गुरु व	वृश्चि	16:06:38	राहु 05/12/2023
सूर्य 02/04/2024	07:06:40	कर्क	शुक्र	वृष	00:50:21	गुरु 10/11/2024
चन्द्र 01/11/2024	12:45:26	मक व	शनि	मीन	00:12:36	शनि 19/12/2025
मंगल 30/03/2025	25:41:10	धनु व	राहु	तुला	10:59:16	बुध 17/12/2026
राहु 17/04/2026	25:41:10	मिथु व	केतु	मेष	10:59:16	केतु 15/05/2027
गुरु 24/03/2027	19:08:21	धनु व	हर्ष व	मक	06:16:30	शुक्र 14/07/2028
शनि 02/05/2028	22:25:46	धनु व	नेप व	मक	01:21:38	सूर्य 19/11/2028
बुध 29/04/2029	24:30:32	तुला व	प्लूटो व	वृश्चि	04:58:56	चन्द्र 20/06/2029

लग्न-चलित

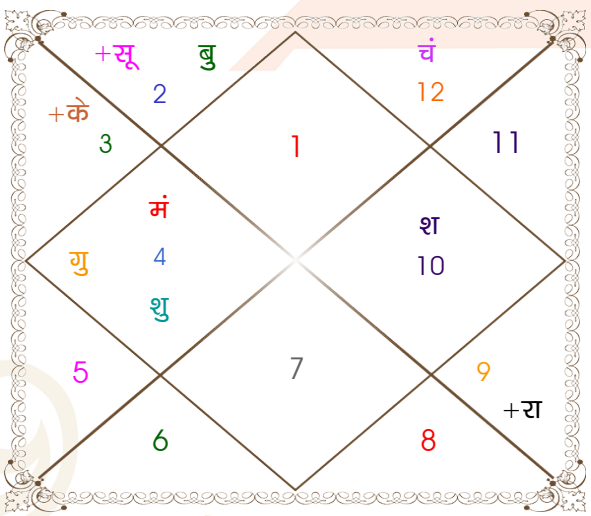

लग्न-चलित

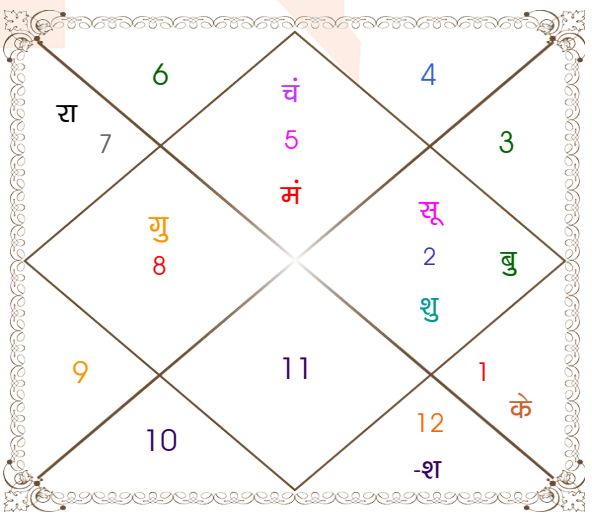

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	वनचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	वध	क्षेम	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गौ	मूषक	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	सूर्य	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मीन	सिंह	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	16.50		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Mr. का वर्ग सर्प है तथा Ms. का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

चतुः सप्तमे भौमो मेषकर्कटे निग्रहः।
कुजदोषो न विद्यते।।

अर्थात् चतुर्थ तथा सप्तम भाव में यदि मेष या कर्क का मंगल हो तो कुजदोष समाप्त हो जाता है। क्योंकि मंगल Mr. कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में कर्क राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Mr. कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु Mr. कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन

हो जाता है।

Ms. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र Ms. कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Ms. कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।